आंतरिक शिकायत समिति (उच्चतर शैक्षणिक संस्थानो में महिला कर्मचारियों एवं छात्रों के लैंगिक उत्पीड़न के निराकरन, निषेध एवं सुधार)

2022 से 2024 तक के कार्यक्रमों का विवरण

1. महिला जागरूकता सम्बन्धी कार्यक्रम -













हल्ह्यानी (एसएनखी) । अंतरराष्ट्रीय मीतल दिवस पर अवर्षेत्रित एक गेंग्टी में उमुर्विव कुलावीर प्रोफेसर ओपीएस



आतंरिक शिकायत समिति (Internal Complaint Committee) उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी

आंतरिक शिकायत समिति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा विगत वर्ष विश्वविद्यालय में कार्यरत महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा महिला उत्पीड़न के रोकथाम हेतु समिति की कई बार पीठासीन अधिकारी प्रो॰ रेनू प्रकाश की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई| बैठक में समिति के सभी सदस्यों के साथ-साथ गैर सरकारी संगठन के सदस्यों ने भी प्रतिभाग किया। बैठक में उच्च शिक्षण संस्थानों में स्वस्थ कार्य संस्कृति का निर्माण, भेदभाव रहित वातावरण तथा महिलाओं को कार्य करने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए निरंतर बैठक आयोजित करने तथा विश्वविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया गया। विगत एक वर्ष में विश्वविद्यालय में महिला उत्पीडन से सम्बंधित एक भी केश दर्ज नहीं हुआ। महिला उत्पीड़न को रोकने हेतु समिति में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को सम्मिलित किया गया है। अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2022 को विश्वविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया | इस संगोष्ठी में महिलाओं के अधिकारों तथा महिला उत्पीड़न के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा तथा विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के साथ भेदभाव, यौन शोषण, महिलाओं को समाज में भागीदारी, महिला सुरक्षा तथा यौन उत्पीड़न से सम्बंधित विभिन्न अधिनियमों पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जैसे लैंगिक उत्पीड़न में कौन-कौन सी गतिविधियाँ आती है, इनके लिए क्या-क्या कानून है तथा किस प्रकार हम कानून का प्रयोग कर सकते है, क्योंकि लैंगिक उत्पीड़न से सम्बंधित घटनाओं का मुकाबला या निषेध के लिए क़ानूनी पहलुओं की जानकारी आवश्यक है| संगोष्ठी में विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी महिला कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया आंतरिक शिकायत सिमिति द्वारा विश्वविद्यालय में मई 2022 में एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित किया जाना प्रस्तावित है| जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों तथा विद्वानों को बुलाकर महिला उत्पीड़न तथा महिला अधिकारों पर विस्तृत चर्चा किया जाना प्रस्तावित है, जिससे विश्वविद्यालय में स्वस्थ कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित कर महिलाओं को कार्य करने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की जा सकें|

प्रो॰ रेनू प्रकाश

पीठासीन अधिकारी

आन्तरिक शिकायत समिति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी

महिलाओं का कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न(रोकथाम,प्रतिषेध एवं निवारण)

जागरूकता कार्यक्रम- 18-19 मार्च 2022





आयोजक समिति - श्रीमती आभा गर्वाल, प्रो. ए. के. नगीन, डी. सूर्यमान सिह.डी. कल्पना लखेडा, प्रिया मताबन, डी. गोपल सिह.डी. कल्पना लखेडा, प्रिया मताबन, डी. गोपल सिह.डी. कल्पना लखेडा, प्रिया मताबन, डी. गोपल सिह.डी. वेककी सिसेला, श्रीमती दियंका पण्डेय, डी. पार्थ गीपल, अमती देवा जुलावा

रिपोर्ट सेकन मतिति :दिलीना पत्र
 डी. गोपल कर्पा

प्री. हमें प्रमान सिमिति :डी. एकेन स्थान

पत्र प्रमान सिमिति :डी. एकेन स्थान

स्थान स्थान सिमिति :छित प्रमान सिमिति :छित प्रमान स्थान सिमिति :छित प्रमान स्थान सिमिति :छित प्रमान सिमिति :छित प्रमान

स्थान प्रमान सिमिति :छित प्रमान

स्थान प्रमान होत् सिम्म सिमित :छित प्रमान

स्थान प्रमान सिमिति :छित प्रमान

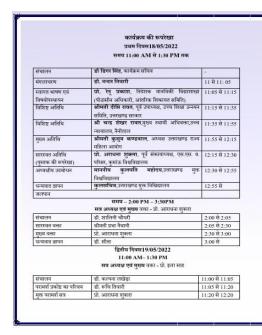
स्थान प्रमान सिमिति :छित प्रमान

स्थान प्रमान सिमिति :छित प्रमान

स्थान सिम्म स्थान सिमिति :छित प्रमान

स्थान प्रमान सिम्म स्थान सिम्म स्थान सिम्म स्थान स्था



























पहले घर सुधारें, फिर सुधरेगा समाज'

उत्तराखंड महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने महिलाओं को बताया उनका महत्व , दी नसीहतें

अमृत विचार, हल्ह्यानी

उत्तराखंड महिला आयोग की अध्यक्ष कुसूम कंडवाल ने कहा कि महिलाओं के बढ़ते उत्पोदन। ाक माहलाओं क बहुते उत्पांहन। टूटते वैवाहिक संबंध। सामाजिक कठनाईयां। इन सबको यदि खत्म करना है तो समाज से पहले घर को सुधारना जरूरी होगा। इस महत्त्वपूर्ण अभियान में महिलाएं अहम योगदान दे सकती है। युओष (जनामांहर बोगन

अहम वागवान द सकता है। यूओयु (उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी) ने बुधवार को कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी की अध्यक्षता में कान्फ्रेंस हॉल में महिला जागरूकता कार्यक्रम आयोगित हुआ। मुख्य अतिथि अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने अन्य अतिथियों संग कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि महिला परिवार उन्हान कहा कि महिला प्रस्तान को संवारती है और शिक्षित करती है। यदि वर्तमान स्थितियों से सबक लेते हुए बेटा और बेटी दोनों को सही जानकारी और संस्कारों के सहा जानकारा आर संस्कारा क साथ आगे बढ़ाया नाए तो महिला उत्पोदन से नुईं तनाम घटनाओं पर अंकुश लग सकता है। पुरुष की गलत मेशा नजर आने पूर महिला पहले रास्ता बदले और फिर भी सुधार न होने पर उसका सामना करे। अपनी बात कहने के लिए खुद आगे आए। विवाह को



हत्द्वानी में दीप प्रज्ज्वितत कर कार्यक्रम की शुरूआत करतीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष। • अमृत विचार

टूटने से बचाने के लिए शादी से पहले काउंसलिंग होनी चाहिए। पहले काउंसिलंग होनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि हाईकोर्ट के मुख्य रुवारी अधिवक्ता चंद्र मेख्य रावत ने महिलाओं को कानूनो जानकार होने को सलाह दी। उन्हें बताया कि कानून के सहयोग से वह खुद को सुर्विक्षत कर सकती हैं। उन्य शिशो उन्ययन मिलि की पूर्व उपाण्यक सीति रावत ने शिशो पर जोर हिया। इस चौरान पुओवु के कुल सिव्यव पीडी पंत व कुमाऊ विविष्ठ को प्रोत्त आराम सुकता ने जाएकता में से बाता ने जारकता के बारे में बताया। वार्यक्रम का संवालन डॉ. हिगर सिंह ने किया।

स्पा में मसाज नहीं करेंगी महिलाएं

अमृत विचार, हल्ह्वानी

राज्य महिला आयोग ने स्पा सेंटर को लेकर एक नियमावली तैयार को लेकर एक नियमावली तैयार कर उसका प्रत्याव शासन को भेजा है। इसमें उन्होंने स्या सेंटर में महिलाओं द्वारा पुरुषों का मसाज किए जाने पर रोक लगाने का प्रस्ताव भेजा है। उनका कहना है कि ऐसे कई स्या सेंटर है, जहां महिलाओं को पैसे के लालव देकर यह काम कराया जाता है। राज्य महिला आयोग ने महिलाओं को यौन शोषण से बचाने के लिए शासन को भेजा प्रस्ताव

मानव तस्करी में रोक लगाने के लिए महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाएगा

युओयू कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने बताया

कि रूपा सेंटरों में महिलाओं की मजबूरियों का लाभ उठावा जाता है। उनका यौन उत्पीदन किया जाता है। इस्तिल्ए महिलाओं की सुरक्षा के महैनजर सख्त निवम तैयार किए जा रहे हैं। रूपा सेंटरों में 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों को नहीं लावा जाएगा। इसके स्ताथ ही मानव तस्करों में महिलाओं के मामले कराई गामले अपने हैं। उन

कहा, पहले गलत की सुगबुगा पर बदलें रास्ता और फिर भी आए अवरोध का करें सामना

ये रहे मौजूद राज्य महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष अमिता लोहनी.

उपाध्यक्ष आमता लोहना, समाज शाज्जी घो. इला सहर, हाईकोर्ट की अधिवक्ता प्रभा नैथानी, मानविकी विद्याशाखा निदेशक को. रेन्नू प्रकाश, डॉ. ज्योति रानी, डॉ. रुचि तिवारी, डॉ. शालिनी वीचरी, डॉ. सीता, डॉ. शालिनी वीचरी, डॉ. सीता,

मामले काफी सामने आते हैं। इन पर रोक लगाने के लिए महिलाओं में जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए।

हि हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

अपना पडोस

मानसिकता बदलने से रुकेगा महिलाओं का उत्पीड़

यूओयू में संगोष्ठी

हल्द्वानी, कार्यालय संवाददाता। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय आंतरिक शिकायत समिति के तत्वाधान में बुधवार को महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेघ एवं निवारण) विषय पर दो दिनी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो ओपीएस नेगी, महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल और हाईकोर्ट के थायी अधिवक्ता चंद्र शेखर रावत ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि महिला आयोग की

अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि



यूओयू में बुघवार को संगोध्टी का शुभारंभ करते कुलपति प्रो ओपीएस नेगी एवं अन्य। महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी होती है और उन्हें कार्य क्षेत्र में लैंगिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। इसे रोकने के लिए परिवार की भमिका

पर जोर दिया और बताया कि समाज तभी सुधरेगा जब परिवारों को सुधारा जाएगा। चंद्रशेखर रावत ने विशाखा बनाम राजस्थान राज्य गाइडलाइन एवं

अधिनियम-2013 के विषय में बताया। इसके गठन के उद्देश्य को समझाते हुए कहा कि केवल महिलाओं को नहीं बल्कि पुरुषों को भी इन विषयों पर जागरूक होने की आवश्यकता है। केवल कानूनों से इन मुद्दों को नहीं सुलझाया जा सकता, बल्कि इसके लिए मानसिकता

कुलपित प्रो. ओपीएस नेगी ने महिला जागरूकता-कार्यक्रम एवं आंतरिक शिकायत समिति के गठन की जरूरत के विषय में बात की। उन्होंने महिला शिक्षा पर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने का पक्ष रखा।

क्ता प्रभा नैथानी ने यौन उत्पीड़न के विभिन्न पहलुओं जैसे शारीरिक संपर्क, अश्लील साहित्य आदि को समझाया। आयोजन में डॉ. रुचि तिवारी एवं प्रो. आराधना शुक्ला की संयुक्त पुस्तक कल्चर एंड स्कॉलिस्टक बिहेवियर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डिगर सिंह ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम समन्वयक प्रो. रेन् प्रकाश, कावक्रम समन्वयंक प्रा. रन् प्रकारा, कुलसचिव प्रो. पीडी पंत, प्रभा नेथानी, डॉ. शालिनी चौधरी, डॉ. सीता, डॉ. कल्पना लखेडा, डॉ. नीरजा सिंह, डॉ. दीपांकुर जोशी, प्रो. एके नवीन, डॉ. भाग्यश्री, डॉ. विनीता पंत, डॉ. निमता, डॉ. रुचि आदि रहे।

क खिलाफ उत्पोडन आवाज उठ

मुक्त विवि में आयोजित संगोष्ठी में बोलीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष

राज्य में बढ़ रहे महिला उत्पीड़न के मामले

हल्द्वाना। यज्य संक्रां से बहु रहें महिला आंगी को महिला उत्पीड़न अध्यक्ष कुत्सन कंक्रवाला ने कहां के महिलाओं को अपने कार्य के से मी मी नहीं बदली उत्पीड़न का सामना <mark>पुरुषों की सीच</mark> बार वे इस बार में किसी को बता नहीं पार्टी के लेकिन महिलाओं को इसके खिलाफ आंगे आमा होगा। तभी डन यटनाओं को सान वा सकता है।

अगर आगत होगा। तमा इन घटनाओं को राक्षेत्र वा सकता है। वह उत्तराखंड मुक्त विशि में महिला जागरकता पर आयोजित संगोच्टी को बतीर मुख्य अतिथि संगोच्टी को बतीर मुख्य अतिथि संगोच्टी कर रही थी। उन्होंने करा कि प्रदेश में घरेलु हिंदा के मामले लगाता बढ़ते जा रहे हैं। आयुक्तिक युग में भी लोगों की महिलाओं के मृति सोच नहीं बदली है। बुधवार को यो दिवसीय संगोच्छी में मुगारें में दीए प्रकल्मता, मामलाचरण और कुलगीत से किया गया। महिला आयोग अप्रथा कुम्मार कंडवाल, कुलगति में अर्थाव्य कुमार कंडवाल, कुलगति में अर्थाव्य केंग्र मुख्य करा में योग अल्लाकर कार्यक्रम का पुमार्थन किया। अर्थियवना चंद्रसेखर पत्रत ने कहा कि कल्ल कान्त से ही हर सुदेद नी शुलझाए जा सकते हैं। इसके लिए प्रवृत्ति में भी सिंदांने लागा होगा। कुलगति ने महिला वा सकते हैं। इसके लिए प्रवृत्ति में भी सिंदांने लागा होगा। कुलगति ने महिला



बदल गया है मीडिया लेखन का तरीका : तिवारी

संबाधा पर मुख्त विश्वाविद्यालय में एकः समिति की ओर से किया गया। डॉ. रिडण्टोमा पाटाफान्म खोले जाते को जकरत सिंह ने कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय को कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय कार्यक्रम सुरू कार्यक्रम में कुल्ताविष्य भी पीडी पंत्र, पाटाउद्यक्रम सुरू किया जाराया प्रभा नैयानों ने कल्याना त्यालेंडा, डॉ. नीराजा सिंह, महिला उत्पीड़न के विश्विक्त पहलुकों को बीधांकर जोगी, भी एकं नवीन, डॉ. भाववारीकों से सम्प्राचा कार्यक्रम का आयोजन डॉ. विनीता पंत्र, डॉ. नीराजा डॉ. कि. विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायल दुबे, डॉ. सुनील कुमार त्रिपाढ़ी मौजूद व

आंतरिक शिकायत समिति (Internal Complaint Committee) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी

आंतरिक शिकायत समिति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा विगत वर्ष विश्वविद्यालय में कार्यरत महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा महिला उत्पीड़न में रोकथाम हेतु समिति की कई बार पीठासीन अधिकारी प्रोठ रेनू प्रकाश की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सभी सदस्यों के साथ—साथ गैर सरकारी संगठन के सदस्यों ने भी प्रतिभाग किया। बैठक में उच्च शिक्षण संस्थानों में स्वर्थ कार्य संस्कृति का निर्माण, भेदभाव रहित वातावरण तथा महिलाओं को कार्य करने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए निरंतर बैठक आयोजित करने तथा विश्वविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया गया। विगत वर्ष में विश्वविद्यालय में महिला उत्पीड़न से सम्बंधित एक भी केश दर्ज नहीं हुआ। महिला उत्पीड़न को रोकने हेतु समिति में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को सम्मितित किया गया है। अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2022 को विश्वविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस संगोष्ठी में महिलाओं में अधिकारों तथा महिला उत्पीड़न के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा तथा विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के साथ मेदभाव, यौन शोषण, महिलाओं को समाज में भागीदारी, महिला सुरक्षा तथा यौन उत्पीड़न से सम्बंधित विभिन्न अधिनियमों पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जैसे लैंगिक उत्पीड़न में कौन—कौन सी गतिविधियाँ आती है, इनके लिए क्या—क्या कानून है तथा किस प्रकार हम कानून का प्रयोग कर सकते हैं, क्योंकि लैंगिक उत्पीड़न से सम्बंधित घटनाओं का मुकाबला या निष्ध के लिए कानूनी पहलुओं की जानकारी आवश्यक है। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी महिला कर्मचारीयों तथा अधिकारों ने प्रतिभाग किया।

इसी क्रम में आन्तरिक शिकायत समिति कि अन्तर्गत उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक:18/05/2023 तथा 19/05/2023 (दो दिवसीय) "महिला जागरूकता कार्यक्रम का जिसका शीर्षक "महिलाओं का कार्यस्थल पर लैगिक उत्पीड़न रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण अधिनियम 2013 का आयोजन किया गया, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपित प्रो० ओ० पी० एस० नेगी की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती कुसुम कण्डवाल, विशिष्ट अतिथि श्री चन्दशेखर रावत, मुख्य स्थायी अधिवक्ता उच्च न्यायालय नैनीताल,, विशिष्ट अतिथि अमिता लोहनी, राज्य महिला आयोग उपाध्यक्ष विशिष्ट अतिथि प्रो० आराधना शुक्ला, पूर्व संकायाध्यक्ष, एस० एस० जे० परिसर, कुमाउ विश्वविद्यालय नैनीताल,, विशिष्ट अतिथि प्रो० इला साह, छात्र अधिष्ठाता, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रभा नैथानी, पीठासीन अधिकारी प्रो० रेनू प्रकाश, कार्यक्रम सचिव डॉ० शालिनी चौधरी, डॉ० सीता, डॉ० भाग्यश्री जोशी, तथा विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक महिला कर्मचारियों तथा समस्त शिक्षणतर कर्मचारियों व गैर सरकार प्रतिनिधि के रूप मे श्रीमती कनक चन्द्र व विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक, प्राध्यापक शिक्षक ,शिक्षणेत्तर कर्मचारी अधिकारियों व छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया, यह कार्यक्रम आनलाइन तथा आफलाइन दोनो विधियों द्वारा सम्पादित किया गया, परामर्शन सत्र में विषय विशेषज्ञो द्वारा अपने—अपने व्याख्यानों का प्रस्तिकरण किया गया।

विधि विशषज्ञ के रूप में प्रो0 ए० कें0 नवीन निदेशक विधि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा भी यौन उत्पीड़न के विभिन्न पक्षों को रखा गया.

उक्त जागरूकता कार्यक्रम में लैंगिक उत्पीड़न से सम्बन्धित सवैधानिक अधिनियम, महिला उत्पीड़न तथा महिला अधिकारों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें महिलाओं में जागरूकता की वृद्धि हो तथा अपने संवेधानिक अधिकारों के प्रति सजग होकर स्वतन्त्रता रूप से कार्यस्थल में बिना किसी भय के कार्य कर सके तथा एक स्वस्थ कार्य प्रणाली को प्रोत्साहन मिल सके।

प्रो रेने प्रकाश पीठासीन अधिकारी आन्तरिक शिकायत समिति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी दिनांक 29/08/23 कोअग्रिम तीन वर्षों तकविश्वविद्यालया की आंतरिक शिकायत कमेटी का गठन किया गया



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, (नैनीताल) कुलसचिव कार्यालय

Ref. No: UOU/RICIAA913
Date: 29.../.08../2023

कार्यालय आदेश

उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में महिला कर्मचारियों एवं छात्रों को लैंगिक उत्पीड़न के निराकरण, निषेध एवं इसमें सुधार हेतु माननीय कुलपित जी से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में वर्ष 2023 से अग्रिम तीन वर्षों तक विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (Internal Complaint Committee)का गठन निम्नवत किया जाता

क0सं0	पद	नाम
1.	पीठासीन अधिकारी	प्रोफेसर रेनु प्रकाश
2.	दो संकाय सदस्य	1. डॉ० डिगर सिंह 2. डॉ० शालिनी चौधरी
3.	गैर—अध्यापनरत कर्मचारी	 श्री मोहित रावत श्रीमती प्रियंका लोहनी श्री विमल चौहान श्रीमती दीपा फुलारा श्रीमती निर्मला
4.	तीन छात्र	 श्री कार्तिक मिश्रा, 22296491 (स्नातक स्तर) श्रीमती भागीरथी, 17106629 (स्नातकोत्तर स्तर) श्रीमती श्रद्धा लखेडा, 21240578 (शोध स्तर)
5.	गैर सरकारी संगठन का प्रतिनिधि	श्रीमती कनक चन्द
6.	विधिक सहायक	1.श्री योगेश पाण्डें, अधिवक्ता, मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल 2. डॉ० दीपांकुर जोशी
7.	नीति सलाहकार	समस्त निदेशक, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक

समिति से अपेक्षा की जाती है कि वह पीठासीन अधिकारी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायतों के निराकरण, निषेध एवं इसमें सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। इसके अतिरिक्त क्रम संख्या 06 तथा 07 पर नामित सदस्यों की सेवायें विशेष परिस्थितियों में ही ली जायेगी।

इस आदेश के निर्गत होने की तिथि से इस संबंध में पूर्व में निर्गत आदेश स्वतः ही समाप्त समझे जायेगे।

(प्रोफेसर पी०डी० पन्त) कुलसचिव

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को ई—मेल से सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु:— 01. कुलपति जी के वैयक्तिक सहायक को, माननीय कुलपति जी के सूचनार्थ।

समय समय पर आयोजित बैठक के छाया चित्र



















SHR351G

महिला कर्मचारियों एवं छात्रों की समस्याओं का होगा निराकरण

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) में शुक्रवार को महिला कर्मचारियों एवं छात्रों के

लैंगिक उत्पीड़न के निराकरण एवं सुधार के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर गठित आंतरिक शिकायत समिति की शुक्रवार को बैठक हुई। इसमें महिला एवं छात्रों के उत्पीड़न से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं उनके सुधार के विषय में विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में पीठासीन अधिकारी प्रोफेसर रेनू प्रकाश ने बताया कि समिति की ओर से शीघ्र एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिससे विवि में कार्यरत महिला कर्मचारी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें। विवि में कार्यरत महिलाओं के जिनके बच्चे 10 वर्ष से कम उम्र के हैं, उनके

लिए एक क्रैच (शिशु सदन/बेबी केयर) की स्थापना के लिए प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इसके होने से शिशु की पूर्ण सुरक्षा की जा सके। इसमें महिलाएं एवं छात्र-छात्राएं लैंगिक उत्पीड़न संबंधी शिकायत की सूचना समिति को दें सकेंगी। समिति से प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। यहां डॉ. डिगर सिंह, डॉ. शालिनी चौधरी, मोहित रावत, दीपक फुलारा, विमल चौहान, विभु कांडपाल आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AIF-MFF Safe Campus Programme Faculty & Staff Training Online Mode

आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यों द्वारा समय समय पर जागरूकता अभियान कार्यशालाओं में प्रतिभाग किया जाता है जिनका विवरण निमन्वत है-

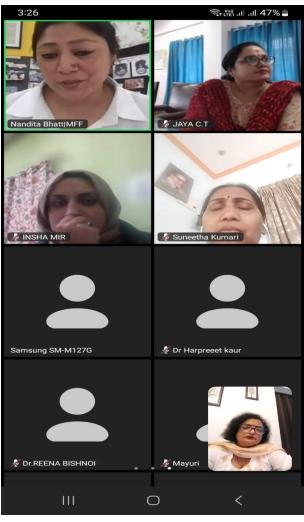
AIU-MFF Safe Campus Program Faculty and Staff Training (Online Mode)

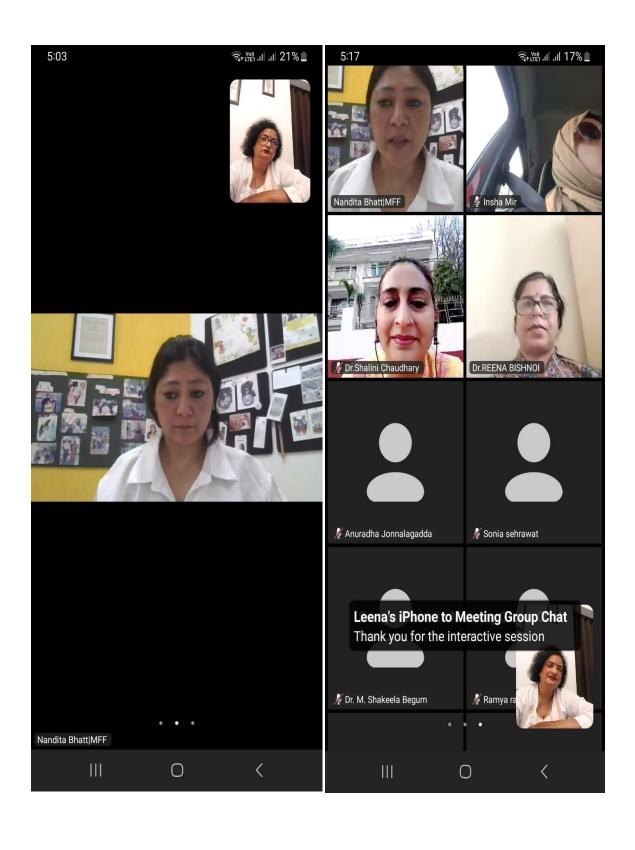
www.marthafarrellfoundation.org

https://www.marthafarrellfoundation .org/our-work/course/afe-ampus -rogram-aculty-and-taff-raining/50

16:34







Uttarakhand Academy of Administration Nainital, Women Awareness Programme



महिला सशक्तिकरण में संवैधानिक अधिनियमों की भूमिका- एक दिवसीय परिसंवाद (29/02/24)



"महिला सशक्तिकरण में संवैधानिक अधिनियमों की भूमिका " (Role Of Constitutional Acts in Women Empowerment)			
समय (कब से कब तक)	कार्यक्रम		
कार्यक्रम रूपरेखा एवं संचालन	डॉ. डिगर सिंह, सदस्य आंतरिक शिकायत सिमति		
11.30	कार्यक्रम स्थल पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य अतिथियों का आगमन		
11.31–11.35 तक	माननीय मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि अन्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मन्त्रोचार		
11.36 से 11.41 तक	विश्वविद्यालय कुलगीत		
11.41 से 11.43 तक	मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत		
11.44 से 11.50 तक	स्वागत भाषण: प्रो. पी. डी. पन्त कुलसचिव एवं निदेशक अकादमिक		
11.51 से 12.00 तक	विषयोपस्थापन: प्रो. रेनू प्रकाश (पीठासीन अधिकारी आतंरिक शिकायत समिति)		
12.00 से 12.30 तक	वक्ता सम्बोधन: सुश्री रूहानी साहनी, अधिवक्ता उच्च न्यायालय, नैनीताल		
12.31 से 1.00 तक	मुख्य वक्ता सम्बोधन: श्रीमती दीपा रानी, अभियोजन अधिकारी, विजिलेंस हल्द्वानी		
1.00 से 1.10 तक	अध्यक्षीय उद्बोधन: प्रो. गिरिजा पाण्डेय, निदेशक सीका		
1.10 से 1.20 तक	धन्यवाद ज्ञापन: डॉ शालिनी चौधरी, सदस्य आंतरिक शिकायत समिति		
सूक्ष्म जलपान			

अध्यक्ष

प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डेय

संयोजक

प्रो. रेनू प्रकाश, आंतरिक शिकायत समिति

सह-संयोजक

डॉ. डिगर सिंह

डॉ. नीरजा सिंह

डॉ. सीता

डॉ. शालिनी चौधरी

डॉ. दीपिका वर्मा

समय:-11.30-1.30 PM

• दीप प्रज्वलन

•कुलगीत

• स्वागत भाषण

• विषयोपस्थापन

• आमंत्रित वक्ताओं का उदबोधन

• अध्यक्षीय उदबोधन

• धन्यवाद ज्ञापन

• सूक्ष्म जलपान

कार्यक्रम सचिव

डॉ. प्रीति बोरा डॉ. रूचि तिवारी डॉ. भाग्यश्री जोशी

डॉ. निमता वर्मा

जलपान समिति

डॉ. द्विजेश उपाध्याय डॉ. अशोक टम्टा सुश्री रेनू भट्ट श्री नवीन जोशी

संयोजक

डॉ. मंजरी अग्रवाल महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ

आयोजन-समिति

डॉ. दीपांकुर जोशी श्रीमती प्रियंका लोहानी श्रीमती दीपा फुलारा श्रीमती कनकलता डॉ. ललित मोहन पन्त, डॉ. नागेन्द्र गंगोला, श्री विकास जोशी, सुश्री शैलजा, सुश्री रेनू भट्ट श्री नवीन जोशी

रिपोर्ट लेखन समिति:-डॉ. नागेन्द्र गंगोला, सुश्री शैलजा मीडिया संयोजन समिति:-डॉ. राजेन्द्र क्वीरा तकनीकि संयोजन समिति:-

श्री राजेश आर्या, श्री विभु काण्डपाल,श्री हरीश गोयल, श्रीमती सुनीता भास्कर

पर्यावरण मित्र- श्रीमती छाया























हलाओं के प्रतिसोच औ दिष्टकोण बदलना जरूरी'

हल्द्वानी।यूओयू में आंतरिक शिकायत महिला समिति निवारण सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की ओर से महिला जागरूकता कार्यक्रम के तहत परिसंवाद किया गया। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा, महिला अधिकार अधिनियमों के साथ ही समाज में महिलाओं के प्रति सोच व दृष्टिकोण को भी बदलने की जरूरत है।

विवि के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. गिरिजा पांडे ने की। मुख्य अतिथि विजिलेंस की अभियोजन अधिकारी दीपा रानी और

विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता रुहानी सहानी ने संवैधानिक अधिकारीं की जानकारी दी। कुलसचिव प्रो. पीडी पंत ने महिला सशक्तिकरण में अधिनियमों भूमिका . बताई। मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. रेनू प्रकाश ने कहा, महिला सशक्तिकरण का अर्थ आर्थिक. शैक्षिक, सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्रों में सशक्त होना है। यहां डॉ. डिगर फर्स्वाण, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल, कनक चंद, भगीरथी जोशी, डॉ. नीरजा सिंह, डॉ. नागेंद्र गंगोला, डॉ. सीता, डॉ. दीपिका रहीं।

महिलाओं के प्रति सोच और बदलना जरूरी'

हल्द्वानी । पुओषु में आंतरिक शिकामत निवारण समिति व महिला सराभितकरण प्रकोष्ट को और मे यहिला आगरूकता कार्यक्रम के सहर परिसंबाद किया गया। कुलचीत प्रो. ओपीएस नेमी ने कहा, महिला आँधकार अधिनियमों के साथ ही समाज में महिलाओं के प्रति सीच य ट्रेडिकोण को भी बदलने की जरूरत है। विवि के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रे. निरंजा पांडे ने को। मुख्य आर्थिय विजिलेस की अधियोजन अधिकारी दीपा रानी और

विशिष्ट अविधि अधिप्रधान स्थानी महानी ने मंद्रेशानिक अधिकारों की ज्यनकारी दी। फुलसचिव हो, पीडी पंत ने महिला सम्पन्तिकरण में अधिनियमी को भूमिका बताई। मानविकी विकासास्य के निर्देशक थे, रेन् प्रकास ने कहा, मोतला सम्मिक्तकरण का अर्थ आधिक, श्रीक्षक, सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्रों में सशक्त होना है। यहां ही, हिमर पास्क्रीण, विभानियंत्रक आभा मखाल, फनक चंद, भगीरची जोशी, हाँ, नीरवा सिंह, हाँ, नागेंड मंगोला, डॉ. सीता, डॉ. टॉपफा रहीं।

यूओयू में दी संवैधानिक अधिकारों की जानकारी

जासं, हल्द्वानी : यूओयू की ओर से गुरुवार को संवाद आयोजित किया गया। महिला संशक्तीकरण संवैधानिक अधिनियमों की भूमिका कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. ओपीएस नैगीं ने किया। संतर्कता विभाग में अभियोजन अधिकारी दीपा रानी व अधिवक्ता रूहानी सहानी ने संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. पीडी पंत, प्रो. गिरिजा पांडे, प्रो. रेन् प्रकाश, डा. डिगर सिंह आदि रहे।

00

आंतरिक शिकायत समिति व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में महिला जागरुकता कार्यक्रम की संक्षिप्त रिपोर्ट

आज दिनांक 29 फरवरी उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में आंतरिक शिकायत समिति व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में महिला जागरुकता कार्यक्रम के अन्तर्गत एकदिवसीय परिसंवाद 'मिहला सशक्तिकरण में संवैधानिक अधिनियमों की भूमिका'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संरक्षण के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपित श्री ओम प्रकाश सिंह नेगी जी, कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रो. गिरजा पाण्डे जी द्वारा की गयी। मुख्य अतिथी के रूप में श्रीमती दीपा रानी, अभियोजन अधिकारी विजिलेंस, हल्द्वानी व विशिष्ट अतिथी के रूप में सुश्री रुहानी सहानी, अधिवक्ता उच्च न्यायालय, नैनीताल, निदेशक अकादिमक एवं कुलसचिव प्रो पी डी पन्त एवं वित्त नियक श्रीमती आभा गर्खाल शामिल हुए।

दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी. डी. पन्त जी द्वारा समस्त अतिथीयों का स्वागत किया गया। आपके द्वारा विषय की गम्भीरता को बताते हुए महिला सशक्तिकरण में अधिनियमों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया।

तत्पश्चात पीठासीन अधिकारी, आंतरिक शिकायत सिमिति व निदेशक मानविकी विद्याशाखा, प्रो. रेनू प्रकाश ने विश्योस्थापन के दौरान यह बताया कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ आर्थिक, शैक्षिक, सामाजिक राजनीतिक क्षेत्रों में सशक्त होना है। इसके अलावा उन्होंने कार्यस्थल में एक स्वस्थ्य माहौल की स्थापना को इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम बताया।

विशिष्ट अतिथी सुश्री रूहानी साहनी ने महिलाओं को संविधान में प्रदान किये गये प्रमुख दस अधिनियमों व अधिकारों के बारे में बताया जिनमें घरेलु हिंसा अधिनियम, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, मातृत्व अवकाश व बेटी के संपत्ति संबंधी अधिकारों का विशेष उल्लेख किया।

तत्पश्चात मुख्य अतिथी के रूप में श्रीमती दीपा रानी, अभियोजन अधिकारी विजिलेंस, हल्द्वानी ने आदि काल, विधवा विवाह, पुर्निववाह व सती प्रथा जैसी कुरीतियों से शुरू कर वर्तमान में महिलाओं हेतु मौजूद संवैधानिक प्राविधानों का एक वृहद ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने अधिकारों से संबंधित प्रविधानों का व्यावहारिक जीवन में उपयोग व चुनौतियों को समग्रता व सटीकता से प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन सब अधिकार अधिनियमों के परे समाज की महिलाओं के प्रति सोच व दृष्टिकोण बदलने की ज्यादा आवश्यकता है एवं बड़े परिवर्तनों हेतु यह एक शर्त भी है।

इसके अलावा उनके द्वारा विधवा पुर्नविवाह, मुस्लिम अधिकार अधिनियम, अनैतिक व्यापार निवारण नियम, हिंदु विवाह अधिनियम, शिशु दत्तक ग्रहण, भरण पोषण, समान कार्य समान वेतन व अवसर की समानता अधिनियों के अलावा कई वास्तविक अदालती मुकदमों के जिरये विस्तारपूर्वक अपनी बात को रखा

मंच संचालन डॉ. डिगर सिंह द्वारा किया गया। उनके द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा, आंतरिक शिकायत समिति व महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के सदस्यों का परिचय प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित कनक चन्द्र, श्रीमती भगीरथी जोशी, डॉ. नीरजा सिंह, डॉ. नागेन्द्र गंगोला, डॉ. सीता, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. भाग्याश्री जोशी, डॉ. निमता वर्मा, डॉ. रूचि तिवारी, डॉ. प्रीती बोरा, डॉ. दीपांकुर जोशी, श्रीमती प्रियंका लोहनी, रेनू भट्ट, मोहन जोशी, दीपा फुलारा एवं आंतरिक शिकायत समिति सहित महिला सशक्तिकूरण प्रकोष्ठ के समस्त सदस्य मौजुद थे।

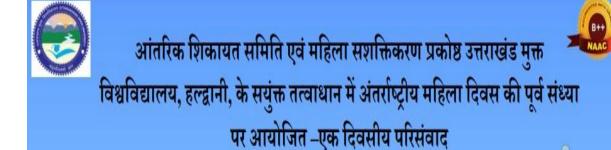
प्रोफेसर रेनू प्रकाश

पीठासीन अधिकारी

आंतरिक शिकायत समिति

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय

महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम ; एक परिचर्चा (07/03/2024)



"महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम: एक परिचर्चा"

("Various Dimensions of Women Empowerment: A Discussion")

संरक्षक एवं अध्यक्ष



प्रो. ओ.पी.एस.नेगी

कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

मुख्य अतिथि



ज्योति शाह पूर्व-उपाध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, उत्तराखंड

मख्य वक्ता



प्रो.दिव्या उपाध्याय (निदेशक) यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल

संयोजक



प्रो. रेनू प्रकाश पीठासीन अधिकारी आंतरिक शिकायत समिति

दिनांक एवं स्थान (3.30 to 5.30 PM) 07/03/2024, कॉन्फ्रेंस हॉल नंबर 02, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

अध्यक्ष प्रो. ओ.पी.एस.नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

संयोजक प्रो. रेनू प्रकाश, कार्यक्रम सह-संयोजक डॉ. डिगर सिंह डॉ नीरजा सिंह डॉ. सीता डॉ शालिनी चौधरी डॉ दीपिका वर्मा

कार्यक्रम - सचिव डॉ. रूचि तिवारी डॉ. ललित मोहन पन्त डॉ. निमता वर्मा डॉ. भाग्यश्री जोशी

संयोजक डॉ. मंजरी अग्रवाल

कार्यक्रम सह- सचिव डॉ. दिपांक्र जोशी डॉ. प्रीति बोरा, डॉ. ज्योति रानी डॉ. नागेन्द्र गंगोला, सुश्री शैलजा,

श्रीमती कनकचंद (प्रतिनिधि गैर सरकारी संगठन)

समय:-3.30 to 5.30 PM

• दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण

• कुलगीत • स्वागत भाषण मीडिया संयोजन समिति:- डॉ राकेश रायल , डॉ. राजेन्द्र क्वीरा तकनीकी संयोजन समिति:-

• विषयोपस्थापन • आमंत्रित वक्ताओं का उदबोधन

•सम्मान समारोह • अध्यक्षीय उदबोधन

• धन्यवाद ज्ञापन • सूक्ष्म जलपान

रिपोर्ट लेखन समिति:-डॉ. नागेन्द्र गंगोला, शैलजा

श्री राजेश आर्या, श्री विभु काण्डपाल, श्री हरीश गोयल, श्रीमती सुनीता भास्कर

जलपान समिति-: डॉ द्विजेष उपाध्यायं, विकास जोशी, अशोक टम्टा, डॉ

आशीष टम्टा, सुश्री रेनू भट्ट, नवीन जोशी,

आयोजक मंडल,

डॉ रंजू जोशी पाण्डेय श्रीमती प्रियंका लोहनी डॉ द्विजेष उपाध्यायं श्रीमती दीपा फुलारा

श्रीमती निर्मला डॉ आशीष टम्टा सुश्री रेनू भट्ट

पर्यावरण मित्र-: श्रीमती छाया

समय (कब से कब तक)	कार्यक्रम विवरण		
कार्यक्रम रुपरेखा एवं संचालनः डॉ रूचि तिवारी			
3.25	कार्यक्रम स्थल पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य अतिथियों का आगमन		
3.30 社 3.35	माननीय मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि अन्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मन्त्रोचार		
3.35 से 3.40	विश्वविद्यालय कुलगीत		
3.40 से 3.45	मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत		
3.45 社 3.50	स्वागत भाषण एवं विषयोपस्थापन: प्रो. रेनू प्रकाश पीठासीन अधिकारी आंतरिक शिकायत समिति		
3.50 社 4.05	मुख्य वक्ता उदबोधनः, प्रो.दिव्या उपाध्याय (निदेशक) यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल		
4.05 社 4.20	मुख्य अतिथि उदबोधन:ज्योति शाह पूर्व-उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग, उत्तराखंड		
4.20 से 4.30	प्रशस्ति पत्र महिला सम्मान समारोह		
4.30 से 4.45	अध्यक्षीय उदबोधन: प्रो. ओ.पी.एस.नेगी माननीय कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी		
4.45 से 4.55	धन्यवाद ज्ञापनः प्रो. पी. डी. पन्त, कुलसचिव उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी		
सूक्ष्म जलपान			























"महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम:एक परिचर्चा"- रिपोर्ट

महिला दिवस की पूर्व संध्या में आंतरिक शिकायत समिति एवं महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के संयुक्त तत्वाधान में "महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम:एक परिचर्चा"नामक विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया ।सेमिनार में प्रोफेसर दिव्या उपाध्याय, निदेशक यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल ने मुख्य वक्ता व ज्योति शाह,उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग उत्तराखंड ने मुख्य अतिथि के रूप में सेमिनार में अपने व्याख्यान को प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात मुख्य अतिथियों को शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक ,पीठासीन अधिकारी आंतरिक शिकायत समिति एवं निदेशक मानविकी ,प्रोफेसर रेनू प्रकाश जी ने तत्पश्चात विषयोस्थापन के द्वारा उक्त विषय में अपने विचार व्यक्त किए तथा सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं ने परिवार की जिम्मेदारियां को निभाने के अतिरिक्त समाज में अपने आप को शीर्ष पदों पर स्थापित किया है। इस बात को कई व्यावहारिक उदाहरणों से प्रस्तुत किया व इस बात पर भी जोर दिया कि आज महिलाएं पुरुष प्रधान कार्यों जैसे पर्वतारोहण और सैन्य सेवाओं में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जो महिलाएं भागीदारी में पीछे छूट गई है उन्हें आगे लाने की जिम्मेदारी आज सभी की है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रोफेसर दिव्या उपाध्याय जी ने कहा कि निसंदेह भारतवर्ष की ही बात करें तो पहले की अपेक्षा आज नारियां बहुत आगे निकल आई है इसे महसूस करने के लिए हमारी अपनी जिंदगी की कहानियां ही बहुत है आंकड़ों की नहीं।तो इस संख्या महिला दिवस की पूर्व संध्या पर जश्न को मनाने के लिए एक अच्छा मौका कहा जा सकता है।हालांकि उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कोविड-19 ने महिला विकास की गित को धीमा किया व उनकी दुनिया को बदला है।वर्तमान में पुरुष एवं नारियों के बीच 2006 से अब तक सिर्फ 68.4% अंतर ही कम हो पाया है और इसलिए हमें जरूरत है किन आंकड़ों को और सुदृढ़ किया जाए।और एक गणना के अनुसार अगर यही स्थित रही तो पुरुष और नारी को बराबरी पर आने पर अभी 131 वर्ष और लग सकते हैं।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि ज्योति शाह जी ने इस बात पर जोर दिया की बराबरी की शुरुआत सर्वप्रथम व्यावहारिक रूप से घर से ही शुरू करनी होगी ,क्योंकि यही से एक पुरुष प्रधान मानसिकता की शुरुआत का बीज चाहे अनचाहे परिवार या समाज के द्वारा बो दिया जाता है । उन्होंने महिला हिंसा के खिलाफ महिलाओं को तत्परता से खड़े होने का आहवान किया । उन्होंने बताया कि महिलाओं के पदों में होने के बावजूद वह एक डमी की भांति कार्य करती हैं और उनकी भूमिका सिर्फ हस्ताक्षर या मुहर लगाने तक सीमित रह जाती है ।इस इमेज से बाहर आने की जरूरत है और यही एक वजह है कि उनका राजनीतिक क्षेत्र में पदार्पण आज भी प्रमुखता से नहीं हो पाया है।



इसके उपरांत उत्कृष्ट कार्यों हेतु उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों मीनू भट्ट एवं श्वेता को कुलपति प्रो ओमप्रकाश नेगी जी द्वारा प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपित प्रोफेसर ओम प्रकाश नेगी जी ने यह कहा कि वैदिक युग से भारतवर्ष में महिलाओं की स्थिति भारतीय ज्ञान परंपरा में काफी सशक्त रही है। लेकिन धीरे-धीरे समाज में अहम की भावना ने पुरुषों और महिलाओं के बीच में खाई को एक जगह देनी शुरू की ।और आज वर्तमान में नारियों ने इस समाज में अपनी मेहनत और दृढ़ इच्छा शक्ति के चलते बहुत सारी उपलब्धियां को हासिल किया है ।और आज राष्ट्रपति पद तक महिलाएं आसीन हैं लेकिन आज के दौर में सबसे अच्छी शुरुआत है समावेशीकरण की शुरुआत जो की एक अच्छा प्रयास साबित होगा।

महिलाओं को सशक्त करने में प्रोफेसर ओम प्रकाश नेगी जी ने शिक्षा के अमूल योगदान को सबसे प्रभावी तरीका बताया ।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुल सचिव एवं अकादिमक निदेशक प्रोफेसर पी डी पंत जी ने अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय की पूरी आयोजन सिमिति और कार्यक्रम में मौजूद आगंतुकों विशेष वक्ताओं ,विशेष अतिथियों और शिक्षकों , कर्मचारियों मौडिया कर्मी स्टूडेंट्स व सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की कार्यक्रम में डॉ डिगर सिंह, डॉ नागेंद्र गंगोला,डॉ नीरज सिंह ,डॉ दीपंकर जोशी ,डॉ राकेश रयाल डॉ नीरज जोशी ,राजेंद्र सिंह क्वीरा ,डॉ प्रियंका लोहनी शैलजा और रेनू भट्ट इत्यादि मौजूद थे मंच संचालन डॉक्टर रुचि तिवारी जी द्वारा किया गया।

प्रोफेसरे रेन् प्रकाश

पीठासीन अधिकारी

आंतरिक शिकायत समिति

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय